आज
महानगर
कानपुर, 9 नवम्बर 2021 5

महिलाएं उद्यम स्थापित कर बनें आत्मनिर्भर

कार्यक्रम में शामिल वैज्ञानिक व महिलाएं।

● महिला सशक्तिकरण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ

कानपुर, 8 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज पांच दिवसीय(8-12 नवंबर 2021) महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि अनुवाशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ महक सिंह ने कहाकि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उनमें जागरूकता लाना आवश्यक है। साथ ही महिलाओं को स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। वैज्ञानिक ने कहाकि अधिकतर महिलाएं शिक्षा और ज्ञान के अभाव में पुरुषों का अत्याचार सहती रहती हैं, इसलिए महिला सशक्तिकरण मजबूत बनाने के लिए महिलाओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ साहस का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर एक मां का फर्ज है कि अपनी बेटी को अच्छी शिक्षा दिलाने के साथ अच्छे संस्कार भी दे। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वासी बने, क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं। महिलाए प्रशिक्षण के बाद अपना उद्यम स्थापित करेंगी, जिससे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सके। तकनीकी सत्र में वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, डा. महक सिंह ने तिलहनी फसलों के महत्व एवं औषधि गुण, डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने आय जनित गाय,भैंस, बकरी पालन, डॉ एस बी पाल ने कृषक महिलाओं के विकास में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए। महिलाओं द्वारा पूछे गए सवालों का वैज्ञानिकों ने बखूबी उत्तर दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी एवं अलीगढ़ जनपदों की लगभग 35 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरन सह निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ सोहन लाल वर्मा, डॉ अनिल कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. एस.बी. पाल ने किया।

वर्ष 15 अंक 305 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 09 नवम्बर 2021
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रकाशित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक
नगरछाया
आप की आवाज़.....

पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण पर प्रशिक्षण का उद्घाटन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण* विषय पर दूसरे बैच का प्रशिक्षण कल दिनांक 8 नवंबर से 12 नवंबर 2021 तक आयोजित किया जा रहा है। पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण दूसरे बैच के प्रशिक्षण का उद्घाटन 8 नवंबर 2021 को प्रातः 11:00 बजे किया जाएगा। ये महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण राज्य कृषि प्रबंध संस्थान रेहमानखेड़ा, लखनऊ के वित्तीय सहयोग से कृषक महिलाओं के उत्थान हेतु संपन्न कराये जा रहे है। इस प्रशिक्षण में प्रयागराज, प्रतापगढ़,

फतेहपुर, कौशांबी एवं अलीगढ़ जनपदों से 35 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी जिन्हें विभिन्न विषयों पर उत्कृष्ट वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में महिलाओं को कृषि उद्योग आधारित रोजगार परक व्यवसाय एवं स्वावलंबन हेतु आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण समन्वयक(प्रसार) डॉ धनंजय सिंह के दिशा निर्देशन में डॉक्टर एस बी पाल एवं डॉक्टर अनिल कुमार सिंह के द्वारा संपन्न कराया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर नगर के उप कृषि निदेशक सहित कृषि विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस प्रशिक्षण में एफपीओ स्वयं सहायता समूह का गठन एवं संचालन पर परिचर्चा महिलाओं हेतु रोजगार परक कृषि आधारित उद्योग,जैविक खेती आदि विषयों पर वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कानपुर • मंगलवार • 09.11.2021 06
अमर उजाला

बेटियों को शिक्षित करने का प्रण लें महिलाएं

सीएसए में शुरू हुआ महिला सशक्तीकरण विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में महिला सशक्तीकरण विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत सोमवार को हुई।

विवि के वैज्ञानिक डॉ. महक सिंह ने कहा कि महिलाओं को स्वयं फैसला लेने और नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। महिलाओं को उच्च शिक्षा लेकर शिक्षित बनना ही होगा। महिलाओं को प्रण लेना चाहिए कि वे अपनी बेटियों को हर हाल में शिक्षा और संस्कार देंगी। कार्यक्रम आयोजक डॉ. एसबी पाल ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रयागराज, फतेहपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़ और अलीगढ़ से 35 महिलाएं आई हैं। इन महिलाओं को पशुपालन, फसलों का महत्व, फसलों के औषधीय गुण, अनाज भंडारण तकनीक, मशरूम उत्पादन, सब्जी की व्यावसायिक खेती, संरक्षित सब्जी उत्पादन, जैविक खेती, मृदा संरक्षण, फल और सब्जियों के प्रसंस्करण आदि विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। इस मौके पर डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. मोहन लाल वर्मा और डॉ. अनिल कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

कई शहरों से आईं महिलाओं को दिया जाएगा सब्जियों के प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण

मैं गांव में स्वयं सहायता समूह चलाती हूं। यहां कुछ ऐसा सीखने आई हूं, जिससे मेरे समूह में काम करने वाली महिलाओं की आय बढ़े और वे आत्मनिर्भर बन सकें। -धन्वंतरि, सुजानपुर गांव, अलीगढ़

मेरे पति की 10 बीघा खेती है, जिसमें मैं खेती करती हूं। यहां प्रशिक्षण लेने का उद्देश्य अपनी खेती में नई तकनीक का प्रयोग करना है। ऐसा करने से मेरी आय बढ़ेगी। -उमा देवी, पथरावा गांव, कौशांबी

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:299 | देहरादून, सोमवार, 08 नवंबर, 2021 | पृष्ठ:08

महिला सशक्तिकरण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज पांच दिवसीय(8–12 नवंबर 2021) महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ महक सिंह ने किया उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनमें जागरूकता लानी होगी साथ ही स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी इस अवसर पर डॉ महक सिंह ने कहा कि अधिकतर महिलाएं शिक्षा और ज्ञान के अभाव में पुरुषों का अत्याचार सहती चली आई हैं इसलिए महिला सशक्तिकरण मजबूत बनाने के लिए महिलाओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ साहस का परिचय देना चाहिए उन्होंने कहा कि हर एक मां का फर्ज है कि अपनी बेटी को अच्छी शिक्षा दिलाने के साथ अच्छे संस्कार भी दे उन्होंने महिलाओं का आवाहन किया कि वह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वासी बने क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी जिससे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सके उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र शुरू हुआ जिसमें वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं संचालन, डॉक्टर महक सिंह ने तिलहनी फसलों के महत्व एवं औषधि गुण, डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने आय जनित गाय, भैंस, बकरी पालन, डॉक्टर एस बी पाल ने कृषक महिलाओं के विकास में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए महिलाओं द्वारा पूछे गए सवालों का वैज्ञानिकों ने बखूबी उत्तर दिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी एवं अलीगढ़ जनपदों की लगभग 35 महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ एस बी पाल द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 9 नवम्बर • 2021

महिला सशक्तिकरण को उच्च शिक्षा संग साहस जरूरी

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण अभियान का दूसरा चरण सोमवार को आरंभ हुआ। इस कड़ी में 8 से 12 नवम्बर तक महिला सशक्तिकरण को लक्ष्य कर कृषक महिलाओं को प्रशिक्षित किया जायेगा। प्रशिक्षण लेने आयीं कृषक महिलाएं भी इस प्रशिक्षण को लेकर उत्साहित दिख रहीं हैं। प्रशासन ने प्रशिक्षण के बाद विभिन्न रोजगार के लिए भी उन्हें सरकारी योजनाओं के तहत मदद दिलाने का भरोसा जताया है।

सीएसए में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेतीं कृषक महिलाएं। फोटो : एसएनवी

प्रशिक्षण कार्यशाला के पहले दिन विवि के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. महक सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उनमें जागरूकता लानी होगी। साथ ही उनमें स्वयं निर्णय लेने व नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि अधिकतर महिलाएं शिक्षा व ज्ञान के अभाव में पुरुषों का अत्याचार सहती चली आई हैं। इसलिए महिला सशक्तीकरण के लिए महिलाओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ ही साहस का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर एक मां का फर्ज है कि वह अपनी बेटी को अच्छी शिक्षा दिलाने के साथ ही अच्छे संस्कार भी दे। उन्होंने विश्वास जताया कि यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर संबंधित महिलाएं गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी। इससे वह आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सकेंगी।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ. सोहन लाल वर्मा व डॉ. एसबी पाल ने विभिन्न कृषि आधारित उद्यमों की जानकारी दी व बताया कि उक्त उद्यम कैसे स्थापित किये जा सकते हैं। विभिन्न सरकारी योजनाएं व कृषक व्यवसायिक समूहों के गठन की प्रक्रिया से भी उन्हें अवगत कराया गया। महिलाओं ने इस मौके पर अपनी विविध जिज्ञासायें भी जताईं, जिसका समाधान कृषि वैज्ञानिकों ने सुझाया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी व अलीगढ़ जिलों से चयनित 35 कृषक महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। मौके पर डॉ. सुभाष चन्द्रा, डॉ. अनिल कुमार सिंह, विवि मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान सहित कृषि विभाग व विवि के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।